RNI Title Code : RAJBIL27060

फतेह एक्सप्रेस

राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष 01 | अंक : 02 | अजमेर, 10 जनवरी, 2024 | मूल्य ₹ 4 | पृष्ठ-4

राजस्थान में भजनलाल सरकार को बड़ा झटका, करणपुर सीट से मंत्री की हार

कांग्रेस प्रत्याशी रुपिंदर सिंह जीते

जयपुर । राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भजनलाल सरकार को बड़ा झटका लगा है। यहां से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी 12570 वोटों से चुनाव हार चुके हैं। आपको बता दें कि भाजपा इस उपचुनाव से पहले ही टीटी को भजनलाल कैबिनेट में मंत्री बना चुकी थी, इसलिए इस चुनाव में बीजेपी का काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। कांग्रेस प्रत्याशी रूपिंदर सिंह कूनर ने सुरेंद्र पाल टीटी को 12570 वोटों से हरा दिया है।

गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद चुनाव स्थगित

कांग्रेस उम्मीदवार और तत्कालीन विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर की मृत्यु के कारण इस सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। कुन्नर के बेटे रूपिंदर सिंह को कांग्रेस ने इस सीट से मैदान में उतारा था। भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव में 199 में से 115 सीटें जीतने के बाद सुरेंद्र पाल सिंह को राजस्थान मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। कांग्रेस ने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की आलोचना करते हुए इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताया।

नियमों के मुताबिक, मंत्री बनने के बाद से सुरेंद्र पाल सिंह के पास विधायक चुने जाने के लिए छह महीने का समय है। बता दें कि 25 नवंबर को हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 115 सीटें और कांग्रेस ने 69 सीटें जीतीं। जिसके बाद 15 दिसंबर को बीजेपी के भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नवनिर्वाचित विधायक दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

करणपुर सीट पर 81.38 प्रतिशत हुआ था मतदान

श्रीगंगानगर जिले में कुल 6 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 5 पर चुनाव नतीजे 3 दिसंबर को ही आ चुके हैं। यहां 2 सीटों पर बीजेपी ने और 3 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया है। करणपुर विधानसभा सीट के लिए शुक्रवार (5 जनवरी) को मतदान हुआ था, जिसमें 81.38 प्रतिशत मतदान हुआ है।

अशोक गहलोत ने कुन्नर को शुभकामनाएं दीं

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करणपुर सीट से कुन्नर को मिली जीत को लेकर 'एक्स' पर शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा, "करणपुर में कांग्रेस प्रत्याशी श्री रुपिन्दर सिंह कुन्नर को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह जीत स्व. गुरमीत सिंह कुन्नर के जनसेवा कार्यों को समर्पित है। करणपुर की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के अभिमान को हराया है। चुनाव के बीच प्रत्याशी को मंत्री बनाकर आचार संहिता और नैतिकता की धज्जियां उड़ाने वाली भाजपा को जनता ने सबक सिखाया है।"

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह पर चढ़ा 812वें उर्स का झंडा

तोप के 25 गोले दाग कर दी सलामी, हजारों अकीदतमंद रहे मौजूद

अजमेर. ख्वाजा गरीब नवाज का सालाना 812वां उर्स की अनौपचारिक शुरुआत झंडे की रस्म के साथ शुरू हुई। झंडे का जुलुस असर की नमाज के बाद गरीब नवाज गेस्ट हाउस से रवाना हुआ, जिसमें शाही चौकी के कव्वाल असरार हुसैन कव्वालियों व बैंड बाजों के जुलुस के साथ लंगरखाना गली, निजाम गेट होते हुए जुलुस दरगाह के मुख्य द्वार निजाम गेट से अंदर प्रवेश किया। इस रस्म के दौरान अकीदतमंदों में एक अजीब सी होड़ मच गई और अपनी मन्नत को लेकर हर कोई झंडे को चूमने की ख्वाहिश पूरी करता नजर आया।

जन्नती दरवाज़ा 12 को खुलेगा

रजब महीने का चाँद दिखाई देने पर 12 या 13 जनवरी से उर्स की विधिवत शुरुआत होगी। दरगाह में अब उर्स के दौरान दिनभर जियारत की जा सकेगी।

भीलवाड़ा के गौरी परिवार ने की झंडे की रस्म अदा

भीलवाड़ा से आए गौरी परिवार के अनुसार यह परंपरा काफी अरसे से चली आ रही है। साल 1928 से फखरुद्दीन गौरी के पीरो मुर्शीद अब्दुल सत्तार बादशाह झंडे की रस्म अदा करते थे। इसके बाद 1944 से उनके दादा लाल मोहम्मद गौरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके इंतकाल के बाद 1991 से पुत्र मोईनुद्दीन गौरी यह रस्म निभाने लगे और साल 2007 से फखरुद्दीन इस रस्म को अदा कर रहे हैं।

दौसा पहुंचे सचिन पायलट ने बताया, क्या है लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस का प्लान

सचिन पायलट
कांग्रेस नेता

अजमेर. AICC के महासचिव और छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिन पायलट दिल्ली से जयपुर जाते समय दौसा में रुके, जहां सिकंदरा प्रधान सुल्तान बैरवा के नेतृत्व में पायलट का कांग्रेसियों ने गर्म जोशी से भव्य स्वागत किया. राजस्थानी परंपरा के अनुसार फूलमाला और साफा पहनाकर पायलट का स्वागत किया गया. इस दौरान सचिन पायलट ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि कांग्रेस ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है. पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया है तो वहीं छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया है. उस जिम्मेदारी का पूरा निर्वहन करुंगा. साथ ही लोकसभा चुनाव को लेकर पायलट ने कहा कि इंडिया अलाइंस मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेगा और जल्द ही सीटों का बंटवारा भी कर लिया जाएगा.

इंडिया एलाइंस पर भी बोले पायलट

वहीं पायलट ने कहा कि आईसीसी ने कुछ बदलाव किए हैं जिम्मेदारियां दी हैं मुझे भी एक प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है. हम पूरी मेहनत से वहां काम करेंगे. पायलट ने कहा कि भले ही हम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव नहीं जीते हो, लेकिन हमारा वोट प्रतिशत बरकरार है. लोग आज भी उम्मीद कांग्रेस से ही करते हैं. भाजपा विपक्ष की एकजुट से घबराई हुई है और अगर सारा विपक्ष एक साथ चुनाव लड़ता है तो चुनौती खड़ी होगी. इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि इंडिया एलाइंस अच्छा परफॉर्म करेंगी और बहुत जल्द हमारी सीटों का बंटवारा होगा और हम चुनाव प्रचार में जुड़ जाएंगे.

राहुल की यात्रा में होंगे शामिल

वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ों ने यात्रा पर कहा कि 14 जनवरी से मणिपुर से यात्रा का आगाज हो रहा है. मैं समझता हूं इस यात्रा से हम सबको बहुत प्रोत्साहन मिलेगा और देशभर के कांग्रेसजनों और आमजनों को जुड़ने का मौका मिलेगा. पायलट ने कहा कि हम सब राहुल गांधी के साथ वहां जाएंगे और यात्रा का शुभारंभ करेंगे. इस यात्रा से देश में जो हकीकत है उसे देखने और समझने का मौका मिलेगा. साथ ही लोगों से मिलकर न्याय दिलाने की जो मुहिम राहुल गांधी ने छेड़ी है उसे पूरा कर सकेंगे.

करणपुर में जीत पर भी बोले पयालट

वहीं प्रदेश में करणपुर सीट के उपचुनाव के आए परिणामों को लेकर पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चलते चुनाव में आचार संहिता का उल्लंघन किया गया. लोकतंत्र के साथ अनैतिकता की गई और भाजपा ने अपने प्रत्याशी को मंत्री बनाया लेकिन जनता ने उसका जवाब दे दिया.

रामलला प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को स्कूलों की छुट्टी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राण प्रतिष्ठा कार्यर₹ म को देखते हुए सरकार ने 22 जनवरी को स्कूल कॉलेजों की छुट्टी घोषित की है। इस दिन शराब की बिर₹ ी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। बताते चलें कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यर₹ म निर्धारित है। दुनिया भर के दिग्गज इस दिन राम की नगरी में मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर को आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज करेंगे पुष्कर दौरा, जिला प्रशासन एक्टिव मोड पर

राजस्थान के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज पुष्कर दौरे पर रहेंगे। कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित और जिला पुलिस कप्तान चुनाराम जाट ने ग्राम गनाहेड़ा पुष्कर पहुँच कर सभी तैयारिओं का जायजा लिया और सम्बंधित सभी विभागों और अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर दोपहर 1.30 बजे सावित्री माता लिंक रोड पर बने अस्थाई हेलीपेड पर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का दोपहर बाद गनाहेड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कैंप का अवलोकन करेंगे और लाभार्थियों से संवाद करने का भी कार्यक्रम है। जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया की पुष्कर सरोवर पूजन और जगतपिता ब्रह्मा के दर्शन करने का कार्यक्रम अभी आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल नहीं है

एक सप्ताह बाद भी नहीं मिला गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड दिव्या का शव, हत्यारोपी को रिमांड पर भेजा

गुरुग्राम। गैंगस्टर संदीप गाडोली की प्रेमिका रही दिव्या पाहूजा हत्याकांड में एक सप्ताह बाद भी दिव्या का शव बरामद नहीं किया जा सका है। वहीं, दिव्या की गोली मारकर हत्या करने वाले होटल मालिक अभिजीत को पांच दिन तक रिमांड में पूछताछ करने के बाद मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। एसआईटी ने कोर्ट से एक सप्ताह का और रिमांड मांगा था। कोर्ट ने छह दिन का रिमांड मंजूर किया है। इस दौरान हत्या में इस्तेमाल हथियार को बरामद करने की कोशिश की जाएगी।

इसके साथ ही सोमवार को गिरफ्तार हत्या के बाद अभिजी की मदद करने वाली मेघा से भी रिमांड के दौरान पूछताछ की गई। दूसरी ओर दिव्या की बहन नैना पाहूजा ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। नैना ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस की कार्यशैली बिल्कुल ठीक नहीं है। इतने बड़े मर्डर केस में पुलिस किस तरीके से जांच और केस को ट्रेस आउट करने की कोशिश कर रही है, ये इसी से पता चलता है कि जो जरूरी चीजें दो और तीन जनवरी को क्राइम ब्रांच को लेनी चाहिए थी वह पुलिस कर्मियों ने सोमवार को उनसे ली।

सम्पादकीय

पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय *संतुलन बिगड़ना खतरनाक*

उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करना अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती होती है। उपग्रह के रास्ता भटक जाने, नियंत्रण कक्ष से संपर्क टूट जाने या बीच में ही नष्ट हो जाने का खतरा बना रहता है। इस दृष्टि से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की यह बड़ी कामयाबी है कि उसके वैज्ञानिकों ने आदित्य एल-1 को

निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। इसे सितंबर के शुरू में प्रक्षेपित किया गया था और अब वह पृथ्वी से करीब पंद्रह लाख किलोमीटर स्थित तय बिंदु लैग्रेंज प्वाइंट-1 पर पहुंच चुका है। इस बिंदु पर गुरुत्वाकर्षण शून्य होता है। वहां से सूर्य के त्रिआयामी चित्र मिलते हैं। इस तरह आदित्य एल-1 वहां स्थिर रह कर निरंतर सूरज का अध्ययन कर सकेगा। इससे पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान तृतीय को सुरक्षित उतार कर अपने कौशल का परिचय दिया था।

आदित्य एल-1 भारत का पहला उपग्रह है, जो सूर्य की गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से भेजा गया है। हालांकि सूर्य का अध्ययन करने का यह पहला प्रयास नहीं है। अमेरिका, जर्मनी, जापान आदि देश इसके लिए अपने उपग्रह भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा अब तक चौदह उपग्रह भेज चुकी है।

सूर्य हमारे सौरमंडल का सबसे महत्त्वपूर्ण तारा है, जो ज्वलनशील गैसों का एक पिंड है। अनेक अनुसंधानों से स्पष्ट है कि सूर्य पर होने वाली हलचलों का सीधा प्रभाव पृथ्वी पर पड़ता है। मौसम प्रभावित होता है। पिछले कुछ वर्षों से इस बात को लेकर चिंता गहराती गई है कि सूर्य का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है और उसकी वजह से सौरमंडल के अन्य ग्रहों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पृथ्वी पर बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते वायुमंडल का गैसीय संतुलन बिगड़ रहा है। अध्ययनों से पता चल सकेगा कि गंभीर चिंता का विषय बन चुके जलवायु परिवर्तन में सूर्य पर होने वाली हलचलों का कितना योगदान है। इससे भविष्य में पैदा होने वाले खतरों का आकलन भी किया जा सकेगा। आदित्य एल-1 के साथ गए अनुसंधान उपकरण अलग-अलग विषयों का अध्ययन करेंगे, जिसमें सूर्य की किरणों, सौर लपटों और चुंबकीय प्रभाव का अध्ययन महत्त्वपूर्ण होगा।

एक आशंका लंबे समय से जताई जाती रही है कि अगर सूर्य से चलने वाली हवाओं की दिशा पृथ्वी की तरफ हो जाए, तो पृथ्वी की कक्षा में स्थापित तमाम उपग्रहों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा, सूचना तकनीक का सारा संजाल नष्ट हो सकता है। इस अध्ययन से ऐसी आशंकाओं की वास्तविकता पहचानी जा सकेगी। पिछले कुछ वर्षों से पृथ्वी ग्रह को अनेक चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है। बढ़ता तापमान उनमें सबसे बड़ी चुनौती है। इसके चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं, फसल-चऋ पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अन्न उत्पादन में कमी दर्ज की जा रही है। बढ़ती आबादी के समक्ष यह संकट ज्यादा चिंताजनक है। वर्षा चऋ असंतुलित होने के कारण हर साल दुनिया के बहुत सारे देशों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसमें सूर्य से निकलने वाली चुंबकीय तरंगों का कितना योगदान है, यह भी आदित्य एल-1 के अध्ययनों से जाहिर हो सकेगा। इस तरह इस उपग्रह के प्रक्षेपण से न केवल कुछ और ब्रह्मांडीय रहस्यों की परतें खोलने में मदद मिलेगी, बल्कि मानव सभ्यता की सुरक्षा की दिशा में भी नए सिरे से सोचने, विचार करने और सामने खड़े संकटों से पार पाने के उपाय तलाशने के रास्ते खुल सकेंगे।

भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ द्वारा चालू वर्ष 2023 तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 3.75 खरब डालर तक अनुमानित किया है। पिछले तीन दशकों का भारत का आर्थिक सफर बहुत शानदार रहा है और इससे यह आत्मविश्वास भी पैदा हुआ है कि आने वाले वर्षों में भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति निश्चित रूप से बनेगा।

पर इस बात का विश्लेषण करना भी अत्यंत आवश्यक है कि क्यों चीन और अमेरिका तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अगर पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों को देखें तो भारतीय अर्थव्यवस्था का कद 0.55 (2.84 से 3.39) खरब अमेरिकी डालर बढ़ा है, जबकि चीन और अमेरिका की अर्थव्यवस्था के जीडीपी का आकार क्रमशः 3.76 खरब तथा 4.08 खरब डालर बढ़ा है।

आखिर ऐसा क्या पिछले कुछ वर्षों में घटित हुआ है, जिसकी वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को तुलनात्मक रूप से इन दोनों से कम रहा। इसके बावजूद आगामी कुछ वर्षों में भारत के लिए विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की बात कोई अतिश्योक्ति नहीं है।

लगता है कि आने वाले समय में भारत की आर्थिक नीतियों में एक बार फिर से आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिलेगा। पिछले तीन दशकों की आर्थिक प्रगति का श्रेय इस दौरान आर्थिक सुधारों को भी जाता है, जिसने बड़ी तेजी से भारत को विश्व की पांचवीं बड़ी आर्थिक महाशक्ति के मुकाम पर ला खड़ा किया है।

इस साल दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि वह लाल किले की दीवार तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि यह वही रास्ता है, जिस रास्ते नाव में बैठकर पहली बार मुगल बादशाह शाहजहां लाल किला देखने के लिए गए थे। वर्तमान समय में जो यमुना नदी पानी की कमी और निर्माण आदि के कारण सिकुड़ गई थी, असल में वह इस बार अपने पुराने और वास्तविक मार्ग पर गई।

दिल्ली और लाल किले के आसपास इलाके में रहने वाले लोगों के लिए भले ही ये मुश्किल का समय है, पर सबको यह सोचना होगा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर मनुष्य अपने लिए कितना भी आशियाना बना ले, लेकिन समय आने पर प्रकृति अपना रौद्र रूप अवश्य दिखाती है।

हम मनुष्य हमेशा से ही अपनी जरूरतों के हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों के साथ छेड़छाड़ करके उन्हें अपने अनुरूप प्रयोग में लाने की कोशिश में रहते हैं और प्रत्युत्तर में हमें कई सारी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है जो मनुष्यों के लिए बहुत दुखदायी होता है।

कभी हम उद्योग लगाने या बहुमंजिला इमारत खड़ी करने के लिए जंगलों को काट देते है तो कभी अपनी जरूरत पूरी करने के लिए नदियों की दिशा बदल देते हैं या उन्हें संकुचित करने की कोशिश करते हैं और इसके बदले हमें प्रकृति की ओर से अनेक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। जंगलों को काटकर इतना छोटा बना दिया गया है कि अब जंगली जानवर रिहाइशी इलाकों में घुसकर इंसानों पर हमला करने पर मजबूर हो गए हैं।

शायद अभी भी समय है कि हम सोच सकें कि पृथ्वी पर मानव जीवन के लिए अन्य जीवों का जिंदा रहना और तमाम प्राकृतिक स्रोतों की उपस्थिति अनिवार्य है, ताकि पृथ्वी पर संतुलन बना रहे। मानव होकर हमें ही यह कोशिश करनी होगी कि हमारे साथ अन्य जीव-जंतु भी इस पृथ्वी पर जीवित रह सकें।

देश की राजधानी दिल्ली थोड़ी-सी बारिश में ही पानी-पानी हो जाती है। आरोप-प्रत्यारोप का अंतहीन सिलसिला चल पड़ता है। लेकिन इससे उन समस्याओं का क्या वास्ता, जिन्हें दूर किया जाना है? यहां दलों की बात नहीं है, दृष्टि की बात है। ब्रिटेन द्वीपीय देश है। वहां साल भर वर्षा होती है। मगर कहीं बारिश का पानी जमा नहीं होता है, क्योंकि वहां के योजनाकारों ने इस तरह से शहरों की योजना बनाई है। हमारे देश में सब कुछ कागजों में ही सिमटा रहा है। नियम ऐसे बनाए गए, जिसमें निम्न मध्यवर्गीय एवं गरीबों के लिए शहरों में जगह ही नहीं है। यत्र-तत्र बसावट। इसी का नतीजा है कि शहर बेतरतीब से लगते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नियम ऐसे बनाए जाते हैं, जिसका पालन व्यवहार में असंभव हो, ताकि भ्रष्टाचार के लिए सुराख बचे रहें।

अब वक्त आ गया है जब गांव से शहर की ओर लोगों ने रुख किया है तो बेहतर योजना से शहर बसाने के बारे में हम सोचें, अन्यथा आने वाले वक्त में किसी भी बरसात में यही स्थिति सामने आएगी।

एक तरफ दुनिया बहुत तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। वहीं भारत में भी मंगलयान, चंद्रयान फिर गगनयान की तैयारी के साथ चंद्रयान-तीन प्रक्षेपित कर दिया गया है। अगर चंद्रयान-तीन अभियान पूरी तरह सफल होता है तो भारत ऐसा करने वाला विश्व का चौथा देश होगा। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन चंद्रमा पर अपने यान उतार चुके हैं। आज विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं।

मालदीव प्रकरण से सबक ले दुनिया, पड़ोस प्रथम की नीति पर चलने वाले भारत को छेड़ा तो खैर नहीं

भारत हमेशा 'पड़ोस प्रथम नीति' को आगे रखकर चलता है लेकिन यदि पड़ोसी ही आंख दिखाने लगे तो उसे लगे हाथ तगड़ा जवाब भी दे दिया जाता है। कर्ज में डूब चुके मालदीव को भारत ने लगातार आर्थिक मदद देकर उबारा, वहां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना पैसा लगाया, भुखमरी और महामारी के समय वहां भोजन और वैक्सीन पहुँचाई। वहां के पर्यटन क्षेत्र को खड़ा करने के लिए भारतीयों ने ऐसा योगदान दिया कि माले के सरकारी खजाने में डॉलरों का ढेर लग गया। लेकिन अब वहां जो चीन समर्थक नई सरकार आई है वह लगातार भारत को अपमानित करने का काम कर रही है। भारत ने पहले तो बेहद संयमित रुख अपनाया लेकिन जब मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां कर दीं और भारतीय पर्यटन क्षेत्र का मजाक उड़ाया तो पूरे देश ने एक साथ खड़े होकर मालदीव को ऐसा सबक सिखाया कि वह नजीर बन गया।

प्रधानमंत्री के खिलाफ मालदीव के तीन मंत्रियों की टिप्पणियों से गुस्साये भारतीयों ने मालीदव की यात्रा रद्द करनी शुरू कर दी। होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग रद्द होने लगी और सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालीदव ट्रेंड होने लगा तो माले सरकार घबरा गयी और आनन-फानन में उन तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया जिन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। साथ ही मालदीव सरकार ने एक बयान जारी कर यह भी कहा कि मंत्रियों के बयान मालदीव की नीति के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, मालदीव की पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व राष्ट्रपतियों ने भी अपने ही देश की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और भरोसेमंद पड़ोसी भारत के खिलाफ की गयी टिप्पणियों को 'अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने' के समान बताया। जो लोग 'नया भारत' क्या है, यह बात आज तक नहीं समझे हैं उन्हें जरा उन टिप्पणियों पर गौर फरमा लेना चाहिए जो 'बॉयकॉट मालीदव' या 'पहले भारत के द्वीपों की सैर करो' जैसे हैशटैग के साथ लिखी गयी हैं। जिस तरह फिल्म उद्योग, खेल जगत और अन्य क्षेत्रों की हस्तियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में टिप्पणियां करते हुए मालदीव को खरी खरी सुनाई है उससे माले के पूरे पर्यटन उद्योग को दिन में तारे दिख गये हैं। भारतीयों के रुख को देखते हुए अन्य देशों ने भी बड़ी प्रेरणा ली होगी क्योंकि आज के समय में भारतीय नागरिक ही कई देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था में जान फूंक रहे हैं। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण से लक्षद्वीप के पर्यटन को भी नये पंख लगना तय हो गया है क्योंकि अधिकतर लोगों ने वहां की यात्रा की इच्छा जताई है। आने वाले दिनों में संभव है कि वहां के लिए अधिक से अधिक फ्लाइटें शुरू हो जाएं ताकि लोग आसानी से वहां पहुँच सकें।

जहां तक मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत के आधिकारिक रुख की बात है तो भारतीय उच्चायोग के स्तर पर तत्काल ही आपत्ति जता दी गयी थी लेकिन अब भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भी अच्छी तरह से सुना दिया गया है और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई। हालांकि मालदीव सरकार अपने बचाव में तर्क दे रही है कि मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रविवार को ही तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया गया है।

हम आपको बता दें कि तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद 'एक्स' पर प्रधानमंत्री की ओर से की गयी पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है। मालदीव की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्रियों- मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महज़ूम माजिद को उनके पदों से निलंबित कर दिया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह विवाद ऐसे दिन शुरू हुआ, जब मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू एक सप्ताह की चीन यात्रा पर रवाना हुए। देखा जाये तो मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है और माले की पिछली सरकार में दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति देखी गई थी। नये राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का करीबी माना जाता है। पदभार संभालने के तुरंत बाद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी का आह्वान किया था।

मनोरंजन जगत

दुल्हन के लिबास में जचीं आइरा, अमीर खान के दमाद का लुक भी कमाल

आमिर खान की बेटी आइरा खान ने अपने मंगेतर नूपुर शिखरे के साथ आज शादी कर ली है। शादी को लेकर आइरा और नूपुर का नाम चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच सोशल मीडिया पर इन दोनों की शादी की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आ गई हैं। जिनमें आइरा और नूपुर के साथ दौनों फैमिली एक साथ नजर आ रही हैं।

नई दिल्ली। लंबे समय में आमिर खान की बेटी आइरा खान की शादी को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही थीं। ऐसे में आज 3 जनवरी को आइरा ने अपने मंगेतर नूपुर शिखरे के साथ शादी रचा ली है।

मुंबई में नूपुर शिखरे और आइरा खान ने मैरिज रजिस्ट्री कर अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया है। इस बीच सोशल मीडिया पर इस कपल की शादी की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें ये दोनों पैपराजी के सामने पोज देते हुए नजर आ रहे हैं।

सामने आईं नूपुर शिखरे और आइरा की शादी की ये फोटो

आइरा खान की शादी को लेकर फेंस काफी एक्साइटेड थे। बीते साल आमिर खान ने खुद अपनी बेटी शादी की डेट को लेकर बड़ा एलान किया है। आमिर के तय समयानुसार अब आइरा और नूपुर शिखरे की शादी हो गई है। मैरिज रजिस्ट्री के तुरंत बाद नूपुर शिखरे और आइरा खान पैपराजी के सामने स्पॉट हुए।

इस मौके की लेटेस्ट तस्वीरों को मशहूर सेलेब्स फोटो पल्लव पालीवाल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि मराठी ट्रेडिशनल दुल्हन के लिबास में आमिर खान की बेटी बेहद खूबसूरत लग रही हैं,

जबकि ब्लू कलर की शेरवानी में नूपुर शिखरे का लुक भी काफी शानदार लग रहा है। आलम ये है कि आइरा और नूपुर की वेडिंग की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। साथ ही फेंस इस न्यूली वेड कपल को शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

फैमिली संग नजर आया न्यूली वेड कपल

सोलो तस्वीरों के बाद आइरा खान और नूपुर शिखरे ने अपनी फैमिली के साथ तस्वीरों को क्लिक कराया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि इस न्यूली वेड कपल के साथ आमिर खान का पूरा परिवार नजर आ रहा है,

जिसमें एक्टर की दोनों एक्स वाइफ रीना दत्ता, किरण राव,बड़ा बेटा जुनेद खान और छोटा बेटा आजाद एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं एक अन्य फोटो में आमिर अपनी बेटी आइरा और दामाद नूपुर संग पोज देते हुए नजर आए हैं।

काजोल ने नहीं देखी बहन तनीषा मुखजी की फिल्म नील एन निक्की, एक्ट्रेस ने बताई क्या थी वजह

नई दिल्ली। दिग्गज एक्ट्रेस तनुजा बॉलीवुड की एक सफल अभिनेत्री रही हैं। वहीं, उनकी बड़ी बेटी काजोल भी बॉलीवुड का एक जाना-माना नाम है, लेकिन उनकी छोटी बेटी तनीषा मुखर्जी बी टाउन में वो सफलता हासिल नहीं कर पाईं, जो उन्हें और काजोल को मिली।

तनीषा ने 2003 में मल्टी-स्टारर स्ह्यह्यह्यद्धद्ध के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। साल 2005 में उन्हें यश राज फिल्म्स प्रोडक्शन की नील एन निक्की में उदय चोपड़ा के साथ मुख्य भूमिका नहीं मिली थी। अब एक इंटरव्यू में तनीषा ने यह खुलासा किया कि उनकी बड़ी बहन काजोल ने आज तक इस फिल्म को नहीं देखा है।

सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत के दौरान तनीषा मुखर्जी ने नील एन निक्की में ऑन-स्ऱ्रीन किसिंग के बारे में बात की। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म में काफी किसिंग सीन को दिखाया गया था, जिसकी वजह से उनकी बहन काजोल आज भी इसे देखने से परहेज करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आज उन्हें फिल्म की पेशकश की जाती, तो युवा दिमाग पर इसके प्रभाव को देखते हुए, वह इसे अलग तरीके से देखतीं। उस समय उन्होंने इस पर गहराई से विचार नहीं किया।

जब तनीषा से उनके ऑन-स्ऱ्रीन किसिंग सीन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि यह ठीक था, क्योंकि वह और उदय पहले से ही फिल्म की शूटिंग के दौरान डेटिंग कर रहे थे। उनके रिश्ते ने सीन को आसान बना दिया, ऐसा महसूस हुआ जैसे वह अपने ब्वॉयफ्रेंड को किस कर रही थी। तनीषा ने बताया कि उनकी और उदय की पहली मुलाकात 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के सेट पर हुई थी, जहां उदय अपने भाई आदित्य चोपड़ा की सहायता कर रहे थे और तनीषा काजोल के साथ आई थीं।

बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है एनिमल का जोश, जारी है लाखों में कमाई का सिलसिला

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल को रिलीज हुए एक महीने से उपर का समय बीत चुका है।? संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का अब तक का रिकॉर्ड काबिले तारीफ रहा है। डेढ़ महीने बाद भी यह मूवी टिकट विंडो पर मजबूती से टिकी हुई है। विक्की कौशल की सैम बहादुर से क्लैश होने के बावजूद एनिमल मूवी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही। फिल्म ने जबर्दस्त कमाई के साथ ही कई रिकॉर्ड भी कायम किए हैं। रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी के लव एंगल से सजी यह एक्शन-ड्रामा फिल्म काफी पसंद की जा रही है। शुऋवार को फिल्म की रिलीज का 36वां दिन था। सैकनिल्क की रिपोर्ट में बताया गया है कि एनिमल फिल्म ने 40 लाख तक की कमाई की है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई 548.44 करोड़ हो गई है। फिल्म का सबसे ज्यादा कलेक्शिन हिंदी भाषा से हो रहा है। एनिमल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की है। वहीं, अब यह मूवी बॉक्स ऑफिस से हट कर ओटीटी पर भी रिलीज होने के लिए तैयार है। एनिमल के राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीदे हैं। फिल्म जल्द? ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। हालांकि, यह किस डेट को रिलीज होगी इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बता दें कि मूवी में रणबीर कपूर के तृप्ति डिमरी के साथ इंटीनेट सीन और बॉबी देओल

जल्द दुल्हनिया बनेंगी कुबूल है की जोया, इस एक्टर संग शादी रचाएंगी सुरभि ज्योति?

नई दिल्ली। कुबूल है सीरियल से घर-घर में मशहूर हुईं जोया उर्फ सुरभि ज्योति ने कुछ सालों में ही इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। पंजाबी फिल्मों से हिंदी टीवी शोज में तक अपने अभिनय का जलवा बिखेरा। काम के अलावा सुरभि अपनी लव लाइफ को लेकर भी लाइमलाइट में रहीं। पहले उनका नाम पर्ल वी पुरी के साथ जुड़ा। अब अभिनेत्री की शादी की चर्चा हो रही है। एक लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सुरभि ज्योति जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। उनके होने वाले पति सुमित सूरी होंगे, जो पेशे से बिजनेसमैन होने के साथ-साथ एक्टर और प्रोड्यूसर भी हैं। सुरभि, सुमित को कुछ सालों से डेट कर रही हैं, लेकिन वह सुमित के साथ सोशल मीडिया पर कम तस्वीरें पोस्ट करती हैं। ईटाइम्स के मुताबिक, सुरभि और सुमित ने अब अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाने का फैसला किया है। खबरों की मानें तो दोनों 6 या 7 मार्च को एक ग्रैंड वेडिंग करने जा रहे हैं। यह भी कहा गया कि सुरभि ने अपनी शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी नॉर्थ इंडियन रीति-रिवाज से होगी। फंक्शन में सिर्फ फैमिली और फ्रेंड्स शामिल होंगे। सुरभि ज्योति की शादी की अफवाहों के बीच अब एक क्लोज फ्रेंड ने इन खबरों को खारिज किया है। सुरभि ज्योति दुल्हनिया बनने की प्लानिंग कर रही हैं, लेकिन मार्च में नहीं। पिंकविला के मुताबिक, सुरभि की क्लोज फ्रेंड का कहना है कि सुरभि शादी की प्लानिंग कर रही हैं, लेकिन मार्च के पहले हफ्ते में नहीं। यह थोड़ा जल्दी है। शादी को लेकर डिस्कशन हो रहा है, लेकिन फाइनल करने में थोड़ा वक्त लगेगा।

डंकी की कमाई पर लगा ब्रेक, 15वें दिन फिल्म ने कमाए महज इतने करोड़

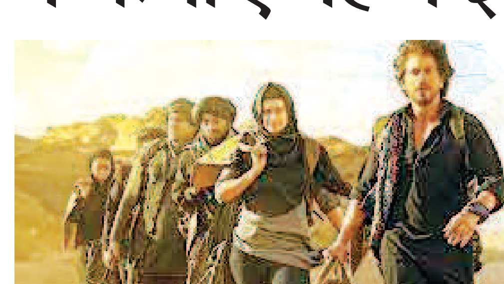

नई दिल्ली। डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी रिलीज के दो सप्ताह के बाद भी सिनेमाघरों में जारी है। हालांकि अब डंकी का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन दिन प्रति दिन कम होते जा रहा है।

इसके बाद भी डंकी को लेकर फैंस में काफी रुचि बनी हुई है। ऐसे में डंकी के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के 15वें दिन की डिटेल्स सामने आ गई है, जिनमें इस मूवी की कमाई की जानकारी दी गई है। 21 दिसंबर को शाह रुख खान की डंकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस मूवी को लेकर कमर्शियल तौर पर धमाकेदार बिजनेस की उम्मीद थी, हालांकि ये मूवी उस हिसाब से छाप नहीं छोड़ सकी। लेकिन इसके बावजूद डंकी ने भी डिसेंट कारोबार कर के दिखाया है। रिलीज के दो वीक के बाद डंकी के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की कमाई काफी धीमी पड़ी है। गौर करें डंकी के 15वें दिन के कलेक्शन की तरफ तो सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक इस मूवी ने गुरुवार को करीब 2.65 करोड़ की कमाई की है। बुधवार की तुलना में डंकी के आज के कारोबार में काफी गिरावट दर्ज हुई है। इसक साथ ही इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अब शाह रुख खान की डंकी का कुल कलेक्शन 206.53 करोड़ हो गया है। बताया जा रहा है कि डंकी का बजट काफी कम है और उसके आधार पर फिल्म का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बेहतरीन नजर आ रहा है। बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने के साथ-साथ ही डंकी अब शाह रुख खान के करियर की 5वीं ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने 200 करोड़ से ज्यादा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। इससे पहले एक्टर की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस, हैप्पी न्यू ईयर, पठान और जवान' ऐसा कारनाम कर चुकी हैं। साफतौर पर कहा जाए तो 5 साल के ब्रेक बाद अब शाह रुख इंडस्ट्री में धमाकेदार वापसी कर चुके हैं।

सफर के दौरान नहीं चाहते सेहत करे 'सफर'

जनवरी में एक्सप्लोर करना चाहते हैं रोमांच से भरी कोई जगह

जनवरी-फरवरी इस ट्रैकिंग के लिए बेस्ट माने जाते हैं। जान लें यहां तक पहुंचने का आसान रूट और अन्य जरूरी बातें। जनवरी में एक्सप्लोर करना चाहते हैं रोमांच से भरी कोई जगह, तो चादर ट्रैक का कर सकते हैं प्लानजनवरी में एक्सप्लोर करना चाहते हैं रोमांच से भरी कोई जगह, तो चादर ट्रैक का कर सकते हैं प्लान

जनवरी-फरवरी है चादर ट्रैकिंग के लिए बेस्ट सीजन

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। कश्मीर को ऐसे ही धरती का स्वर्ग नहीं कहा जाता। यहां पहुंचकर आप इस बात का बखूबी एहसास कर पाएंगे। गर्मियों और सर्दियों दोनों सीज़न में यहां का नजारा एकदम अलग होता है। सर्दियों में यहां पहाड़ से लेकर पेड़ और रास्ते तक बर्फ से कवर हो जाते हैं। अगर आप जनवरी माह में घूमने के ठिकाने ढूंढ़ रहे हैं, तो कश्मीर की एक जगह है, जो सर्दियों में ही घूमी जा सकती है। आइए जानते हैं इस बारे में। कश्मीर का लेह-लद्दाख बहुत ही शानदार जगह है, जिसकी खूबसूरती को लब्ज़ों में बयां कर पाना पॉसिबल नहीं। घुमक्कड़ों की लिस्ट में इस जगह का नाम जरूर शामिल होता है। कई फिल्मों, एल्बम के गानों की शूटिंग भी यहां हो चुकी है। खैर जिस जगह को सर्दियों में कवर करने की बात कर रहे थे वो है चादर ट्रैक, जो एडवेंचर से भरा ट्रैक है।

चादर ट्रैक की खासियत

चादर ट्रैक सर्दियों में ही पॉसिबल है। सर्दियों में यहां बहने वाली जांस्कर नदी पूरी तरह से जम जाती है। जिस पर चलना और मौज-मस्ती का एक अलग ही एक्सपीरियंस होता है। जहां सर्दियों में आप जांस्कर नदी पर चलने का मजा ले सकते हैं वहीं गर्मियों में इसमें रिवर रॉफ्टिंग होती है। एडवेंचर के शौकीनों को तो यहां घूमने का मौका बिल्कुल भी मिस नहीं करना चाहिए। वैसे तो यह ट्रैकिंग लगभग 105 किमी लंबी है। जिसे एक दिन में पूरा कर पाना पॉसिबल नहीं होता। रोजाना 15 से 17 किमी की ट्रैकिंग कर इस जगह को एक्सप्लोर किया जाता है। ट्रैकिंग के दौरान कई सारे खूबसूरत नजारों के दीदार का मौका मिलता है।

कैसे पहुंचे यहां?

- अगर आप ज़ंस्कार फ्लाइट से आने की सोच रहे हैं, तो सबसे नजदीकी हवाई अड्डा 'लेह' है। जहां से लगभग 105 किमी का सफर तय करके आप यहां पहुंच जाएंगे। एयरपोर्ट से आपको टैक्सी मिल जाएंगी। ज्यादातर बड़े शहरों से यहां के लिए सीधी फ्लाइट्स मिलती हैं।
- वैसे ज़ंस्कार रेल मार्ग द्वारा भी पहुंचा जा सकता है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन जम्मूतवी है।

यहां आने का बेस्ट सीजन

चादर ट्रैकिंग के लिए सबसे बेस्ट सीज़न जनवरी और फरवरी है। जब जंस्कार नदी पूरी तरह से जम जाती है और बिल्कुल शीशे की तरह नजर आती है। ये दो महीने ही यहां ट्रैकिंग के लिए बेस्ट माने जाते हैं। लेकिन ये ट्रैकिंग थोड़ी मुश्किल है, तो यहां पूरी तैयारी के साथ जाएं।

सफर पर जाना हमेशा बेहद रोमांचक होता है लेकिन इस दौरान हमारे खान-पान में हो रही लापरवाही हमारी सेहत और ट्रिप दोनों को बिगाड़ सकती है। इसलिए कोशिश करें कि आप ट्रैवल करते समय भी खाने से जुड़ी कुछ हेल्दी आदतों को फॉलो करें। जानें कैसे सफर करते समय भी आप हेल्दी इटिंग हैबिट को फॉलो कर अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं।

ट्रैवल करना काफी थ्रिलिंग एक्सपीरिएंस होता है, जिस दौरान आपको काफी कुछ नया एक्सप्लोर करने का मौका मिल सकता है। सफर करते समय हम अपनी परेशानियों को भूलकर, सिर्फ एंजॉय करना चाहते हैं, जो कि काफी हद सही भी है। बहरहाल आपको ट्रैवल करते समय भी अपनी सेहत की चिंता करना नहीं छोड़ना चाहिए। दरअसल, हम कई बार मौज-मस्ती में इतना खो जाते हैं कि अपनी सेहत पर ध्यान ही नहीं देते और इसमें सबसे बड़ा फैक्टर है, अनहेल्दी खाना। हम ट्रिप के दौरान, अक्सर अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देते, जिसकी वजह से हमारे पैसे और सेहत दोनों का नुकसान होता है। इसलिए कोशिश करें कि सफर करते समय भी आप कुछ हेल्दी इटिंग हैबिट्स को फॉलो करें। आइए जानते हैं कि सफर करते समय कैसे आप हेल्दी इटिंग की आदत को फॉलो कर सकते हैं।

पानी की बोतल साथ रखें : सफर के दौरान कई बार हमारे बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है। शरीर में पानी की कमी की वजह से कई परेशानियां हो सकती हैं, जो आपके ट्रिप के मजे को किरकिरा कर सकती है। इसकी वजह हो सकती है काफी लंबे समय तक पानी न पीना, अधिक पसीना आना आदि। इसलिए अपने साथ पानी की एक बोतल हमेशा रखें, ताकि आप खुद को हाइड्रेटेड रख सकें।

हेल्दी स्नैक्स साथ रखें : सफर करते समय थकावट की वजह से हो सकता है कि आपको अधिक भूख लगे। इस कारण से आप बाहर से कुछ जंक फूड खा लेते हैं, लेकिन इसके बदले आप अपने साथ कुछ हेल्दी प्रिवेरैक्स कैरी कर सकते हैं, जिससे आपकी भूख भी शांत हो जाए और हेल्थ को कोई नुकसान भी न पहुंचे। इसके लिए आप अपने साथ नट्स, सीड्स, डार्क चॉक्लेट या कोई फ्रूट रख सकते हैं।

शुगरी ड्रिंक्स कम से कम पीएं

हम समझ सकते हैं कि आप अपने ट्रिप पर कई बार शुगरी और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स पीने से खुद को रोक नहीं पाते हैं और इसका सारा दोष उन ड्रिंक्स के टेस्टी स्वाद पर जाता है। लेकिन इनकी वजह से आपके शरीर में कई परेशानियां हो सकती हैं, जैसे ब्लड शुगर बढ़ना। इसलिए कोशिश करें कि आप ऐसे ड्रिंक्स या तो न पीएं या बहुत कम मात्रा में पीएं। इसके बदले आप नारियल पानी, नींबू पानी, फ्रूट जूस आदि पी सकते हैं।

हर्बल टी पीएं

सफर के दौरान, हमारे पाचन और इम्यून सिस्टम पर काफी प्रभाव पड़ता है, इसलिए हर्बल टी काफी मददगार हो सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आप अपने सफर के दौरान कुछ हर्बल टी के पैकेट्स अपने साथ रखें, ताकि आप अपनी बॉडी को डिटॉक्सिफाई कर पाएं।

ब्रेकफास्ट करना न भूलें

सफर के दौरान अक्सर हम पूरा दिन मस्ती करके थक जाते हैं और सुबह देर तक सोने की वजह से ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना आपकी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। ब्रेकफास्ट न करने की वजह से आपका ब्लड प्रेशर डाउन होना, एसिडिटी, मितली, अधिक थकावट होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो आपके ट्रिप को बरबाद कर सकती हैं। इसलिए ब्रेकफास्ट करना न भूलें।

अगर आप भी पहली बार कर रहे हैं सोलो ट्रिप, तो इन गलतियों से करें बचाव

किसी नई जगह पर घूमने जाना बेहद ही रोमांचक होता है लेकिन उससे भी रोमांचक हो सकता है सोलो ट्रिप करना और अगर आप पहली बार यह कर रहे हैं तब तो और भी ज्यादा। लेकिन इस दौरान कुछ बातों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है। जानें पहली बार सोलो ट्रिप करते दौरान की सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए।

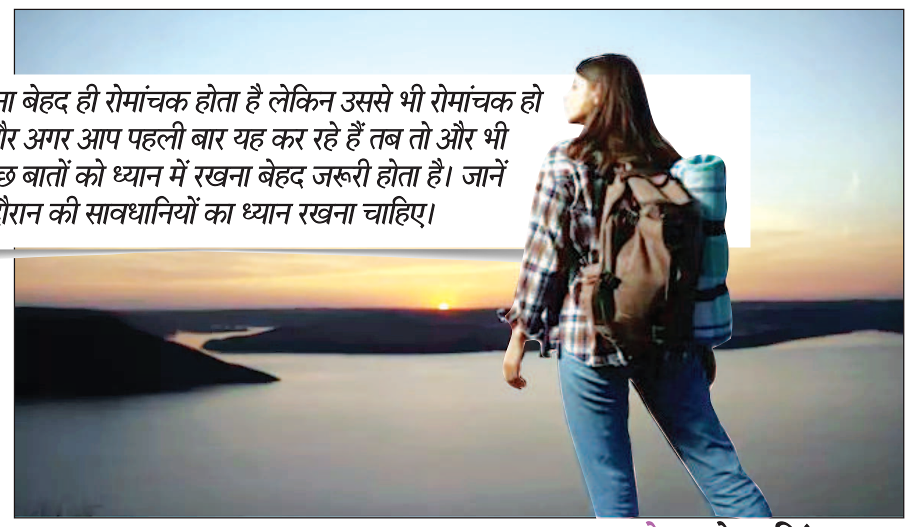

जिंदगी में हर काम कभी न कभी हम अकेले करते ही हैं। ऐसे ही अगर आपने भी पहली बार अकेले किसी ट्रिप पर जाने का फैसला लिया है, तो जाहिर है कि आपके मन में कुछ डर हो और कुछ सवाल भी हो। लेकिन एक बात तय है कि इन सबके बावजूद भी आपका पहला सोलो ट्रिप आपके लिए काफी रोमांचक और यादगार रहेगा। हालांकि, आपको अपनी ट्रिप पर कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपकी ट्रिप बर्बाद न हो। आइए जानते हैं, किन बातों का ख्याल रख, आप अपनी सोलो ट्रिप पर कुछ गलतियां करने से बच सकते हैं।

ओवर पैकिंग न करें

पहली बार अकेले ट्रिप पर जाने से पहले आप हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहते हैं। इसलिए हो सकता हैं कि आप अपने साथ काफी सारी चीजें पैक कर लें, लेकिन ऐसा न करें। ज्यादा सामान पैक करने की वजह से आपको सामान उठाने में तकलीफ हो सकती है। इसलिए सिर्फ उतना ही समान पैक करें, जिसकी आपको जरूरत हो या जिसके बिना काम न चल सके।

ओवर शेड्यूलिंग न करें

ऐसा हो सकता है कि आप अपनी ट्रिप का एक भी मिनट बर्बाद करना न चाहें और इसलिए हर मिनट के लिए कुछ न कुछ प्लान कर लें, लेकिन ऐसा करने से आपकी ट्रिप का मजा किरकिरा हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि आप किसी भी जगह जल्दबाजी की वजह से ठीक से एंजॉय न कर पाएं और आप काफी थक भी सकते हैं।

अपने परिवार से संपर्क में रहें

बाहर घूमते समय हो सकता है कि आप सब कुछ खुद करना चाहे या इसे खुद के लिए चैलेंज की तरह देखें, लेकिन अपनी सेफ्टी के लिए या किसी इमरजेंसी की स्थिति के लिए आप आपके किसी परिवार के सदस्य से संपर्क रहें ताकि अगर आप किसी मुसीबत में फसें तो मदद के लिए उनसे संपर्क कर सकें और अपना इटिनरी भी अपने परिवार के साथ शेयर करें।

प्लान बी तैयार रखें

कई बार ऐसा हो सकता है कि आपका ट्रेवल का प्लान खराब हो जाए। कोई रिजर्वेशन कैंसल हो जाए या कोई जगह आपको पसंद न आए। इसलिए अपने ट्रिप के लिए एक प्लान बी जरूर तैयार करके चलें ताकि आपकी ट्रिप का मजा खराब न हो।

बजट सोच समझ कर बनाएं

अगर आप ट्रिप पर जा रहे हैं, तो सबसे जरूरी काम होता है बजट प्लान करना। इसलिए बजट बनाना न भूलें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि ऐसा जरूरी नहीं है कि आपने जितना सोचा है, उतने ही पैसे लगेंगे। ऐसा भी हो सकता है कि कई चीजों में कॉस्ट ऊपर नीचे हो जाए। लेकिन ऐसी संभावना हो सकती है कि आपका खर्चा थोड़ा ज्यादा या कम हो जाए। इसलिए बजट बनाते समय इस बात का ध्यान रखें।

ऑनलाइन व ऑफलाइन धोखा, पकड़ा जाते हैं मनमर्जी का वेस्ट आइटम

पाली. शहर निवासी एक व्यक्ति के घर एक युवक कूरियर डिलीवरी बॉय बनकर पहुंचा। एक घर का दरवाजा खटखटाया और एक नामी ऑनलाइन कम्पनी का पार्सल आना बताया। जिसके नाम पार्सल था, वह शहर से बाहर था। परिजनों ने सोचा पार्सल मंगवाया होगा और उन्होंने राशि देकर पार्सल ले लिया। उसे खोला था उसमें फटी पुरानी साड़ी थी। इसके बाद पता लगा कि किसी ने पार्सल मंगवाया ही नहीं था।

एक सोशल मीडिया साइट पर बेहतर क्वालिटी की पेंट दिखाई गई थी। जिसकी बाजार कीमत काफी अधिक थी, लेकिन साइट पर महज 950 रुपए बताए गए। एक व्यक्ति ने ऑनलाइन पेमेंट कर वह पेंट मंगवा ली। पार्सल घर पर भी पहुंचा। जब उसे खोलकर देखा तो उसमें एक 50-60 रुपए में फुटपाथ पर मिलने वाले जैसा पायजामा निकला।

ये महज दो उदाहरण है, जो इन दिनों ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन ठगी के लिए अपनाए जा रहे हैं। जो व्यक्ति पार्सल लेकर पहुंचता है। वह इतने शातिर तरीके से बात करता है कि उस पर किसी को संदेह भी नहीं होता है। ये लोग ज्यादातर ऐसे घरों को निशाना बनाते हैं, जिनके परिजन किसी कार्य से या नौकरी आदि के बाहर है और अपने घर का पता देकर सामान मंगवाते हैं। वहीं सोशल साइट पर कई फर्जी बिक्री के लिए वस्तुओं को प्रदर्शित करते हैं।

ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए इन बातों का रखें ख्याल

-ऑनलाइन ठगी करने वाले नामी कम्पनियों के वेबपेज कॉपी कर लेते है। उस पर नम्बर आदि बदल देते हैं। ऐसे पेज पर जाने पर पहले वेबपेज का पूरा पता करें।

-जो वस्तुएं सोशल साइट पर कम दामों पर मिल रही है। उससे सावधान रहें। दाम के लालच में आने के बजाय उसकी पूरी जानकारी अर्जित करने के बाद ही ऑर्डर करें।

-यदि कोई व्यक्ति घर पर सामान लाता है तो पहले परिजनों ने मंगवाया या नहीं इसकी जानकारी ले। यदि नहीं मंगवाया है तो रुपए देने के बजाय सामान लौटा दें।

-वेब पेजों पर आपत्तिजनक वेब साइटों पर नहीं जाए। इस पर जाने पर आपसे फर्जी पुलिस अधिकारी या अन्य अधिकारी बनकर रुपए मांगे जा सकते हैं।

-रोजगार का प्रलोभन देकर रुपए मांगने वालों को राशि नहीं दे। कोई भी कम्पनी रोजगार के नाम पर पहले रुपए नहीं मांगती है।

-जी मेल आदि सोशल साइट के पासवर्ड विशेष दें। उसमें मोबाइल या आधार नम्बर आदि पासवर्ड के रूप में उपयोग नहीं करें।

-साइबर ठगी होने पर तुरन्त हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सूचना दे। इस पर सूचना से राशि का ट्रांजेक्शन रुकवा दिया जाता है। पाली में ऐसे 1.50 करोड़ रुपए रुकवाया गए है।

बिना पासवर्ड के ही हैक हो सकता है गूगल अकाउंट, यूजर्स की बढ़ी टेंशन

तकनीक के विस्तार के साथ ही हैकिंग के मामले में भी बढ़ रहे हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूजर्स के गूगल अकाउंट्स पर मैलवेयर का खतरा है। हैकर्स बिना किसी पासवर्ड के ही गूगल अकाउंट को हैक कर सकते हैं। ये कूकीज के जरिये डेटा का एक्सेस ले लेते हैं। आइए इस खबर के बारे में जान लेते हैं।

बिना पासवर्ड हैक होगा गूगल अकाउंट?

साइबर सुरक्षा कंपनी CloudSEK ने यूजर्स की प्राइवेसी को लेकर जरूरी जानकारी दी है। कंपनी के मुताबिक हैकर्स बिना पासवर्ड के ही गूगल अकाउंट हैक कर सकते हैं। दरअसल कुछ ऐसे मेलवेयर ऐप हैं जो कूकीज के मदद से फोन के डेटा का एक्सेस ले लेते हैं और फिर गूगल अकाउंट को हैक कर लेते हैं।

पासवर्ड रीसेट के बाद भी रहता है एक्सेस

रिपोर्ट में बताया है कि ये मैलवेयर कूकीज के जरिये फोन में मौजूद संवेदनशील डेटा और गूगल अकाउंट का पासवर्ड हैक कर लेते हैं और परेशान करने वाली बात है कि पासवर्ड रीसेट करने के बाद भी हमारी Google गतिविधियां हैकर्स तक पहुंचाती रहती हैं।

अक्टूबर 2023 में खोजा गया मैलवेयर

इस मैलवेयर के बारे में पहली बार अक्टूबर 2023 में एक टेलीग्राम चैनल के द्वारा जानकारी दी गई थी, जिसमें कहा गया कि क्रोम ब्राउजर या किसी सर्च ब्राउजर को हम कूकीज के माध्यम से एक्सेस दे देते हैं, जिसका फायदा गूगल अकाउंट हैक करने के लिए किया जा सकता है।

भारत सरकार के आदेश पर एप्पल और गूगल ने बैन किए ये 2 एपलिकेशन, आपने किया है डाउनलोड तो तुरंत हटाएं

गूगल और एप्पल ने भारत में अपने ऐप स्टोर से दो ऐप्स हटा दिए हैं, जो विदेशी सिम कार्ड (ई-सिम) सर्विस देते थे. ये ऐप्स प्ले स्टोर और ऐप स्टोर से हटाए गए हैं. भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने इन ऐप्स को हटाने का आदेश दिया था. सरकार को लगता है कि इन ऐप्स का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड के लिए किया जा रहा था. सरल शब्दों में बताएं तो दो ऐप्स जिनसे विदेशी सिम कार्ड मिल जाते थे, उन्हें भारत में अब डाउनलोड नहीं किया जा सकता है. सरकार को डर है कि इन ऐप्स का इस्तेमाल लोगों को धोखा देने के लिए किया जा सकता है. सरकार ने भारतीय इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स और दूरसंचार कंपनियों से भी इन दो ऐप्स की वेबसाइटों को भारत में ब्लॉक करने के लिए कहा है।

कौन से दो ऐप्स हुए बैन

दो ऐप्स जिन्हें ब्लॉक कर दिया गया है, वो एयरालो और होलाफ्लाइ हैं। ये ऐप्स अब भारत में गूगल प्ले स्टोर पर डाउनलोड नहीं किए जा सकते। ये दोनों ऐप्स दुनिया के अलग-अलग देशों में सिम कार्ड जैसी सेवाएं देते थे। हालांकि एप्पल और गूगल ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बारे में कोई बयान नहीं दिया है, उन्होंने गुरुवार (4 जनवरी) को सरकार के आदेश के बाद इन ऐप्स को हटा दिया।

क्यों किया गया बैन

सरकार के अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधियों ने भारत में साइबर अपराध करने और निर्दोष नागरिकों को धोखा देने के लिए अनऑर्थोराइज्ड ई-सिम का इस्तेमाल किया था. इन ई-सिम में अंतरराष्ट्रीय फोन नंबर होते थे, जिससे साइबर अपराधियों को आसानी से पहचानना मुश्किल हो जाता था।

इन ऐप्स का कर सकते हैं इस्तेमाल

दरअसल, ई-सिम प्रोवाइडर, जो फिजिकल सिम कार्ड की आवश्यकता के बिना वॉयस कॉलिंग और इंटरनेट डेटा पैक के लिए डिजिटल सिम कार्ड प्रदान करते हैं, उनको दूरसंचार विभाग से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की आवश्यकता होती है. हालांकि, अन्य ई-सिम प्रोवाइडर जैसे नोमाड ई-सिम, एलोएसआईएम अभी भी भारतीय यूजर्स के लिए इन ऐप स्टोर पर डाउनलोड और उपयोग करने के लिए उपलब्ध हैं।

मोटोरोला का पॉपुलर फोल्डेबल फोन सस्ते में खरीदने का मौका, नए कलर वेरिएंट की इस दिन होगी पहली सेल

नई दिल्ली। मोटोरोला ने बीते महीने ही अपने यूजर्स के लिए Razr 40 Ultra फोन को एक नए पीच कलर ऑप्शन में पेश किया था। हालांकि, यह फोन अभी तक भारतीय ग्राहकों के लिए खरीदारी के लिए पेश नहीं था।

इसी कड़ी में अब मोटोरोला अपने भारतीय ग्राहकों को Razr 40 Ultra फोन नए कलर ऑप्शन में खरीदने का मौका दे रहा है। जी हां, कंपनी ने Motorola Razr 40 Ultra फोन के पीच कलर वेरिएंट की पहली सेल को लेकर जानकारियां दी हैं।

कब होगी नए कलर वेरिएंट की पहली सेल

अगर आप ऑनलाइन खरीदारी करते हैं तो अमेजन से इस फोन की खरीदारी कर सकेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट अमेजन पर मोटोरोला का यह फोन 12 जनवरी से खरीदारी के लिए पेश होने जा रहा है।

कंपनी ने एक पोस्टर के साथ फोन की कीमत को लेकर भी जानकारी दी है। इतना ही नहीं, फोन को 8 हजार रुपये से कम की नो कोस्ट ईएमआई पर भी खरीदने का शानदार मौका होगा।

कितनी होगी Razr 40 Ultra की कीमत

बता दें, मोटोरोला के इस नए कलर वेरिएंट में फीचर्स और स्पेसिफिकेशन को लेकर किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। Razr 40 Ultra के नए कलर वेरिएंट को ग्राहक 79,999 रुपये की जगह 69,999 रुपये में खरीद सकेंगे। मोटोरोला का पॉपुलर फोल्डेबल फोन सस्ते में खरीदने का मौका, नए कलर वेरिएंट की इस दिन होगी पहली सेल

मोटोरोला अपने भारतीय ग्राहकों को Razr 40 Ultra फोन नए कलर ऑप्शन में खरीदने का मौका दे रहा है। जी हां कंपनी ने Razr 40 Ultraफोन के पीच कलर वेरिएंट की पहली सेल को लेकर जानकारियां दी हैं।ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट अमेजन पर मोटोरोला का यह फोन 12 जनवरी से खरीदारी के लिए पेश होने जा रहा है। ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो फोन को खरीद सकते हैं।

फिचर्स

Razr 40 Ultra के की स्पेसिफिकेशन की बात करें तो यह फोन 6.9 इंच की 10-bit LTPO फोल्डेबल डिस्प्ले और फुल एचडी प्लस रेजोल्यूशन, 165H5 रिफ्रेश रेट, 1400 nits पीक ब्राइटनेस के साथ आता है।

Razr 40 Ultra फोन 3.6 इंच की कवर स्क्रीन के साथ आता है। इस स्क्रीन के साथ यूजर को 144H5 रिफ्रेश रेट और 1100 nits पीक ब्राइटनेस मिलती है। Razr 40 Ultra फोन Qualcomm Snapdragon 8 Plus Gen 1 चिपसेट के साथ आता है।

डिवाइस 3,800mAh की बैटरी 30ड्ड वायर्ड और 5जी वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट फीचर के साथ आता है।

फोन में 12MP प्राइमरी सेंसर,13MP अल्ट्रावाइड यूनिट और 32MP फ्रंट कैमरा के साथ आता है।

झंडे की रस्म के साथ ख्वाजा गरीब नवाज के उर्स की शुरुआत

जन्नती दरवाजा 12 को खुलेगा, दिनभर होगी जियारत

अजमेर. विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा गरीब नवाज का 812वां उर्स 8 जनवरी से अजमेर में शुरू हो गया। इस उर्स की शुरुआत झंडा चढाने की रस्म के साथ हुई। दरगाह के बुलंद दरवाज़े पर उर्स का झंडा चढ़ाया गया और तोप 25 गोले दाग कर सलामी दी गयी। इस दौरान गौरी परिवार के लाल मोहम्मद गौरी के पोते फखरुद्दीन झंडा चढ़ाने की रस्म अदा की। इस रस्म के दौरान अकीदतमंदों में एक अजीब सी होड़ मच गई और अपनी मन्नत को लेकर हर कोई झंडे को चूमने की ख्वाहिश पूरी करता नजर आया।

500 साल पुराना है बुलंद दरवाजा

दरगाह से जुड़े लोग बताते हैं कि बुलंद दरवाजा करीब 500 साल पुराना है. 14वीं-15वीं शताब्दी में खिलजी वंश ने इस दरवाजे का निर्माण करवाया था. इस दरवाजे की ऊंचाई 75 फीट है. हर साल इसी दरवाजे पर झंडे की रस्म निभाई जाती है.

12 जनवरी को खुलेगा जन्नती दरवाज़ा

रजब महीने का चाँद दिखाई देने पर 12 या 13 जनवरी से उर्स की विधिवत शुरुआत होगी। जन्नती दरवाज़ा 12 जनवरी से जियारत के लिए खोल दिया जायेगा। रजब का चाँद 12 जनवरी को नज़र नहीं आता है तो रात को जन्नती दरवाज़ा बंद कर दिया जायेगा और 13 जनवरी को फिर खोल दिया जायेगा। चाँद के अनुसार 18 या 19 जनवरी तक जन्नती दरवाज़ा खुला रहेगा। दरगाह में अब उर्स के दौरान दिनभर जियारत की जा सकेगी।

चांद दिखने पर 12 या 13 जनवरी से शुरू होगी महफ़िल

उर्स की विधिवत शुरुआत रजब के चांद दिखने के अनुसार होती है। यदि 12 जनवरी को रजब महीने का चांद नज़र आया तो मगरिब की नमाज़ के बाद से ही गरीब नवाज़ के उर्स की महफ़िल शुरू हो जाएगी। दरगाह दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन अली खान की सदारत में महफ़िल खाना में पहली महफ़िल होगी। मध्य रात्रि को मज़ार शरीफ को गुस्ल दिया जायेगा। 12 को चांद नहीं होने पर 13 की रात से ये महफ़िल की रसूमात शुरू होगी।

प्रशासन रहा मुस्तैद

झंडा चढाने से पहले झंडे के जुलुस को देखते हुए प्रशासन मुस्तैद नज़र आया। सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों के चलते जुलूस मार्ग की दुकानों को शाम 4 बजे से ही बंद करवाना शुरू कर दिया। दरगाह बाजार में जुलुस की भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए बैरिकेट लगाए गए और दरगाह के अंदर भी रस्सी बांध कर जायरीनों की भीड़ को नियंत्रित और व्यवस्थित किया गया। झंडे की रस्म के दौरान अजमेर रेंज आईजी लता मनोज कुमार, कलेक्टर भारती दीक्षित, एसपी चूनाराम जाट सहित भारी संख्या में पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

पाक जायरीन जत्था 14 को अजमेर पहुंचेगा

ख्वाजा साहब के 812वें उर्स में शामिल होने के लिए पाक जायरीन का जत्था 13 जनवरी को अटारी बॉर्डर से भारत में प्रवेश करेगा। जत्था अमृतसर से विशेष ट्रेन से 14 जनवरी तक अजमेर पहुंचने की संभावना है। पाक जत्थे में करीब 400 लोग शामिल होंगे। सीआईडी जोन, आईबी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पाक जायरीन जत्थे की यात्रा को लेकर अलर्ट मोड पर हैं। यात्रा का अधिकृत कार्यक्र म एक-दो दिन में जारी होगा। 7 अजमेर कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन ने जायरीन जत्थे के ठहरने के स्थल चूड़ी बाजार स्थित सेन्ट्रल गर्ल्स स्कूल परिसर में सम्पूर्ण व्यवस्था की है।

मज़ार शरीफ से संदल उतरने की रस्म 11 को

दरगाह के खादिम शेखजादा नवेद चिश्ती ने बताया कि 11 जनवरी रात 8 बजे मजार शरीफ से संदल उतरने की रस्म अदा की जाएगी। मज़ार सरीफ से संदल उतारने के बाद जायरीन में बाँट दिया जाता है। संदल को पानी में डाल पिने से कई तरह की बीमारियों के ठीक होने की मान्यता है। जायरीन संदल अपने साथ भी ले जाते है।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 काउंसलिंग आज

अजमेर। आरपीएससी वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 से अंतिम रूप से चयनित तथा अजमेर संभाग आवंटन पश्चात पदस्थापन के लिए काउंसलिंग का आयोजन डीएसएलआर कक्ष संयुक्त निदेशक कार्यालय तोपदड़ा अजमेर में 10 जनवरी को प्रातः 9 बजे से किया जाएगा। शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि यह काउंसलिंग अजमेर संभाग के अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर एवं टोक (पूर्व राजस्व सीमा) के लिए आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री शौकत अली ने बताया कि अजमेर संभाग को 301 अभ्यर्थी आवंटित हुए हैं। इनका काउंसलिंग से संबंधित शेड्यूल तथा काउंसलिंग वरीयता (पूर्ण रूप से अस्थाई) भी डाली गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को वरीयता का लाभ चाहिए तो उसे प्रपत्रा में काउंसलिंग के दिन प्रातः 10 बजे तक डॉक्यूमेंट के साथ दावा करना होगा।

अजमेर में कमिश्नरेट बनाने के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाएं अधिकारी -देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस व प्रशासन सहित विभिन्न विभागों से की चर्चा

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अजमेर में कमिश्नरेट बनाने के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाएं। अजमेर की पुलिसिंग को और ज्यादा मजबूत करने के लिए नए थाने खोलने, चैकी बनाने आदि प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के विकास को लेकर प्रशासन और पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक लता मनोज कुमार से अजमेर की पुलिसिंग बेहतर करने को लेकर चर्चा की। उन्होंने अजमेर को पुलिस की दृष्टि से और अधिक मजबूत बनाने के लिए यहां कमिश्नरेट बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे शहर और जिले की पुलिसिंग को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने अजमेर में हरिभाउ उपाध्याय नगर में नया पुलिस थाना और आगरा गेट व दरगाह सम्पर्क सड़क पर नई पुलिस चैकी के प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए।

एडीए के अधिकारी को कक्ष से बाहर निकाला

विधानसभा अध्यक्ष कामकाज में सुस्त रफ्तार पर अजमेर विकास प्राधिकरण के अफसरों से भी नाराज हुए। उन्होंने कहा कि एडीए ने विधायक कोष के काम लम्बे समय से अटका रखे हैं। फॉयसागर रोड़ पर नाली निर्माण का काम दो साल से अटका हुआ है। बार-बार काम रोक दिया जाता है। उन्होंने जिम्मेदार अधिशासी अधिकारी को कक्ष से बाहर जाने और आइन्दा समय पर काम करने की हिदायत दी। देवनानी ने एडीए के अन्य कामों की भी समीक्षा की।

जिला कलक्टर से चर्चा

देवनानी ने शहर के विकास के लिए जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित से चर्चा की। देवनानी ने जिला कलक्टर को निर्देश दिए कि एलीवेटेड रोड के नीचे और दोनों तरफ सड़क को सुधारा जाए। इसके लिए आरएसआरडीसी के अफसरों को बुला कर समयबद्ध कार्य किया जाए। आमजन से सीधे जुड़े सभी विभागों के अफसरों के आधिकारिक फोन नम्बर मीडिया व सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक किए जाएं ताकि समस्या होने पर जनप्रतिनिधि व आमजन सीधे सम्पर्क कर सकें। इसमें बिजली, पानी, सड़क, एडीए व नगर निगम सहित अन्य विभागों के अफसरों के नम्बर शामिल किए जाएं। भूणाबाय में आवंटित जमीन को कायड़ में आवंटित किया जाए। आनासागर झील और बांडी नदी में सफाई करवा कर जलकुंभी हटाई जाए। विभिन्न नालों की मरम्मत कराई जाए। शिव मंदिर चैपाटी से सागर विहार चैपाटी पर बाइक और स्कूटर संचालन पर रोक लगाई जाए। चैरासियावास तालाब के डूब क्षेत्रा में हो रहे अतिर्क्र मण पर सख्ती से रोक लगाई जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिला प्रशासन आगामी 100 दिन की कार्ययोजना के तहत काम करे। इस अवधि में अजमेर उत्तर क्षेत्रा में साइंस पार्क, मेडिकल कॉलेज कायड़ और जेएलएन अस्पताल में विभिन्न वार्डों के काम प्राथमिकता से पूरे किए जाएं। इसी तरह पृथ्वीराज नगर आवासीय योजना से अवैध कब्जे और अतिर्क्र मण हटाए जाएं। आवंटियों को भूखण्ड का कब्जा संभलवाया जाए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि लोहागल, माकड़वाली, पंचशील, हरिभाऊ, हाथी भाटा, गणेश गुवाड़ी, फॉयसागर रोड और कई जगहों पर 72 से 96 घण्टे में जलापूर्ति हो रही है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि में शहर में 48 घण्टे में पेयजल आपूर्ति शीघ्र नहीं हुई तो अफसर कार्यवाही के लिए तैयार रहें। बीसलपुर से अजमेर आ रही सीमेण्टेड पाइप लाइन की मियाद 2021 में समाप्त हो चुकी है। इसे बदलकर स्टील की लाइन बिछाने का प्रस्ताव राजस्थान सरकार को भिजवाएं। केन्द्र सरकार की अमृत योजना-2 से राशि 186 करोड़ की लागत से 16 पानी की टंकी एवं 7 पम्प हाउस के निर्माण से अवगत कराएं। विधानसभा क्षेत्रा में स्वीकृत 10 ट्यूबवेल और 40 हैण्डपम्पों में से शेष रहे ट्यूबवैल व हैण्डपम्पों को शीघ्र खुदवाने का कार्य कराएं। क्षेत्रा में 48 घंटे में पेयजल सप्लाई का वितरण व्यवस्था को समुचित समय पर सुनिश्चित करें एवं इसका शेड्यूल अखबार में छपवाने की व्यवस्था करें ताकि क्षेत्रा की जनता को पेयजल आपूर्ति से अवगत हो सके। पूरे शहर में जगह-जगह लीकेज की समस्या का समाधान करें ताकि क्षेत्रा की जनता को पेयजल मिल सके।

देवनानी ने कहा कि बिजली ट्रिपिंग की समस्या से हो रही परेशानी से निजात के लिए बैकअप या अन्य कोई व्यवस्था करें। अमृत योजना तृतीय के प्रस्ताव को तैयार करें। बल्क मीटर लगवाने की व्यवस्था को सुनिश्चित करे ताकि समान जल वितरण को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय बीसलपुर को चंबल नदी से जोड़ने की जो प्रयोजना प्रस्तावित थी उस पर कार्य योजना बनाकर सरकार को प्रस्तुत करें। शहर में मीठे पानी के स्त्रोत खोजकर उनका जीर्णोद्धार कराएं ताकि क्षेत्रा की जनता को पीने का पानी प्राप्त हो सके। उन्होंने गर्मियों में जल वितरण के लिए फॉयसागर से जलापूर्ति की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। इसी तरह अमृत योजना में रातीडांग पानी की टंकी, जल जीवन मिशन के तहत लोहागल व माकड़वाली पानी की टंकी पर भी चर्चा की गई।

दरगाह संपर्क सड़क निर्माण जल्द कराएं

अजमेर. उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता ने कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को ज्ञापन देकर दरगाह संपर्क सड़क का निर्माण कार्य शुर करने की मांग की है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एडीए को सड़क निर्माण रोकने के निर्देश दिए थे। ज्ञापन देने वालो में पार्षद गजेन्द्रसिंह रलावता, ब्लॉक अध्यक्ष वहीद खान, एसएम अकबर, सम्पत कोठारी, मोहम्मद आदि शामिल थे।

ई-चालान के बगैर नहीं बन सकेंगे ई-वे बिल, 1 मार्च से व्यवस्था लागू

अजमेर। पांच करोड़ से ज्यादा का व्यापार करने वाले कारोबारी 1 मार्च से बगैर ई-चालान दिए ई-वे बिल जारी नहीं करवा सकेंगे। ई-चालान के लिए कुछ पात्र करदाता बीटूबी और बीटूई (कंपनियों के निर्यातकों को) के लेन-देन के लिए ई-वे बिल और ई-चालान से जोड़े बगैर ही बना रहे है। इसमें कुछ मामलो में विवरण के बीच मिलान नहीं हो रहा है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञानं केंद्र ने विश्लेषण के आधार पर इस तरह के मामले अजमेर संभाग में भी सामने आए है।

सांसद तथा प्रभारी सचिव ने किया अवलोकन, लाभान्वित करने के दिए निर्देश

अजमेर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविरों का सांसद भागीरथ चैधरी द्वारा अवलोकन कर आमजन को लाभान्वित करने के निर्देश प्रदान किए गए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित गोयल ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर जिलों में विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए। सोमवार को सांसद भागीरथ चैधरी ने बरना (किशनगढ़) तथा जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने बरना एवं तिलोरा ग्राम पंचायतों में शिविरों का अवलोकन कर आमजन से संवाद कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

सांसद भागीरथ चैधरी ने बरना ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में भारत को विकसित करने का संकल्प दिलाया। अधिकारियों के साथ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में चर्चा की। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से वार्तालाप कर योजनाओं से जुड़ने की जानकारी दी। चैधरी ने नैनो यूरिया छिड़काव के लिए उपयोग में आने वाले ड्रोन के बारे में विस्तार से जाना। इसकी कार्यप्रणाली देखी। किसानों को ड्रोन के माध्यम से होने वाले लाभों के बारे में जानने के उपरांत इसे प्रगतिशील किसानों के लिए उपयोगी बताया। साथ ही किसानों को सबसिडी दिलाने के लिए सक्षम स्तर से संवाद करने की बात कही। शिविर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारण्टी वाली गाड़ी के माध्यम से सम्बोधित भी किया गया। मौके पर प्रधान, उपखण्ड अधिकारी रामसिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपनी सहभागीता निभाई। प्रभारी सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने तिलोरा के शिविर में केन्द्र सरकार की योजनाओं के लाभान्वितों के साथ संवाद किया। पास के खेत में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया का प्रदर्शन देखा। कार्यशाला में प्रधान श्रीमती सीमा के साथ रितेश एवं कुमकुम का अन्नप्राशन संस्कार किया। साथ ही श्रीमती मीनू कंवर एवं श्रीमती सीता देवी की गोद भराई की रस्म पूर्ण की गई। मौके पर डूंगरियाखुर्द की श्रीमती पुष्पा कंवर को 2 लाख रूपए की प्रधानमंत्री बीमा योजना की क्लेम राशि प्रदान की गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक मुबारक खान के लिए डीबी कॉर्प लिमिटेड, माकड़वाली रोड़, अजमेर से मुद्रित एवं कार्यालय : 409 / 33 , अँधेरी पूल, पाल बीचला, पटेल नगर, अजमेर से प्रकाशित।
संपादक एवं प्रकाशक # मुबारक खान मोबाइल 92148 39374 RNI Title Code : RAJBIL27060 Website : www.fatehexpress.in समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र अजमेर होगा।